मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 204, मुंबई, शुक्रवार, 1 अक्टूबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

एंटीलिया विस्फोटक केस

एनआईए को संदेह
गिरफ्तारी के डर से देश छोड़कर जा चुके हैं परमबीर सिंह

यूरोप में छिपने की संभावना

संवाददाता

मुंबई। उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर 'एंटीलिया' के बाहर से मिली विस्फोटकों से भरी स्कॉर्पियो और उसके मालिक मनसुख हिरेन की हत्या मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को संदेह है कि मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह देश से फरार हो चुके हैं। एनआईए ने उन्हें कई बार पूछताछ के लिए समन भेजा लेकिन उनकी ओर से इसे रिसीव नहीं किया गया है। जांच एजेंसी का मानना है कि संभवतः परमबीर गिरफ्तारी के डर से देश छोड़ चुके हैं। इस मामले के मुख्य आरोपी सचिन वझे की गिरफ्तारी के बाद एनआईए ने परमबीर सिंह का बयान दर्ज किया था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

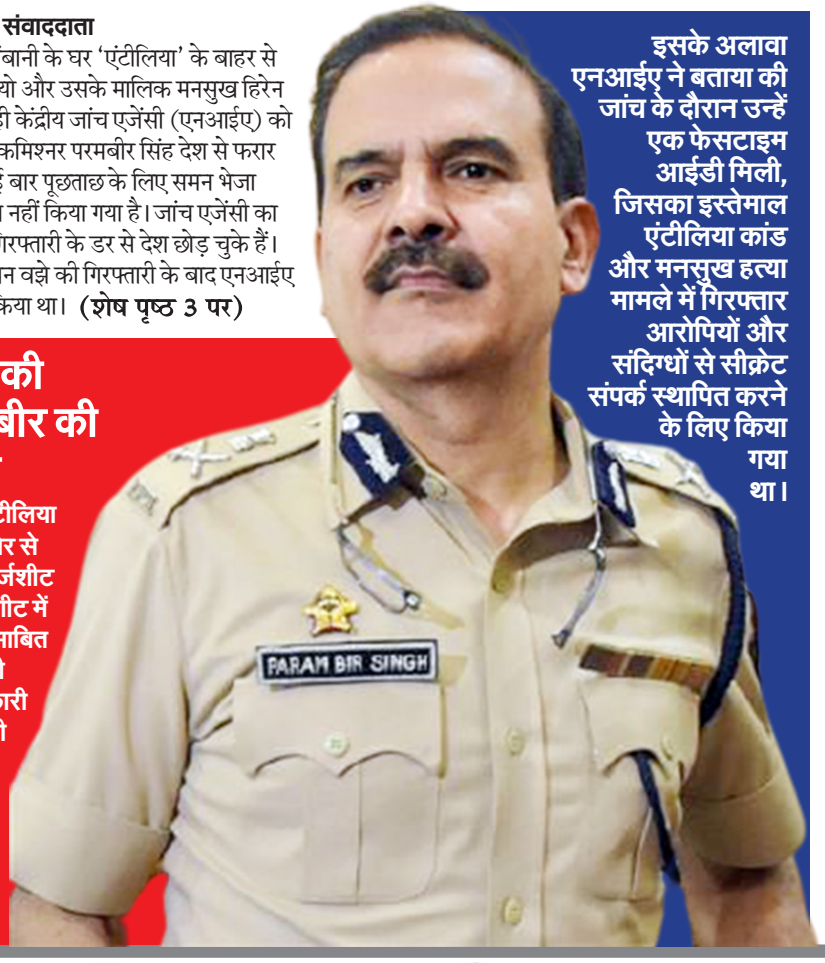

इसके अलावा एनआईए ने बताया की जांच के दौरान उन्हें एक फेसटाइम आईडी मिली, जिसका इस्तेमाल एंटीलिया कांड और मनसुख हत्या मामले में गिरफ्तार आरोपियों और संदिग्धों से सीक्रेट संपर्क स्थापित करने के लिए किया गया था।

10 हजार पन्ने की 4 सीट में परमबीर की भूमिका संदिग्ध

आपको बता दें कि एंटीलिया मामले में एनआईए की ओर से 10000 पन्नों की एक चार्जशीट दायर की गई है इस चार्जशीट में कई ऐसे सबूत हैं जो यह साबित करते हैं कि सचिन वझे की कारस्तानी की पूरी जानकारी परमबीर सिंह को थी। इसी बात की पुष्टि के लिए एनआईए उनसे फिर से पूछताछ करना चाहती है। दो बार समन भेजने के बावजूद यह डिलीवर नहीं हुआ है।

अंधेरी थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गैर जिम्मेदाराना व्यवहार के चलते
निलंबित

संवाददाता

मुंबई। अंधेरी थाने के वरिष्ठ निरीक्षक वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय बेलगे को विभाग ने गुरुवार को निलंबित कर दिया। सूत्रों ने कहा कि एक अन्य पुलिस स्टेशन द्वारा उनके अधिकार क्षेत्र में एक ऑर्केस्ट्रा बार पर छापेमारी ने इस कदम को प्रेरित किया। बार पर छापा 23 अगस्त के आसपास हुआ और उसके बाद एक जांच हुई। पुलिस विभाग बार उल्लंघन को बहुत गंभीरता से ले रहा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में हिली धरती
नासिक के निकट महसूस किए गए भूकंप के झटके

रिक्टर पैमाने पर 3.5 रही तीव्रता

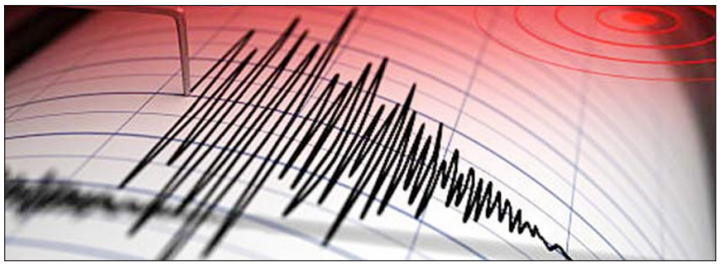

संवाददाता

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक से 95 किलोमीटर पश्चिम में गुरुवार को दोपहर दो बजकर 28 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.5 रही। जानकारी मिलने तक किसी भी तरह की जान-माल की क्षति नहीं हुई है। आगे और जानकारी की प्रतीक्षा है। धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी होती हैं। इनर कोर, आउटर कोर, मैनटल और क्रस्ट। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबईः 29 मेडिकल स्टूडेंट कोरोना पॉजिटिव, दो अस्पताल में भर्ती

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

दिल्ली में देशभक्ति

राष्ट्रीय राजधानी के स्कूलों में देशभक्ति का पाठ पढ़ाने का फैसला अनुकरणीय और स्वागतयोग्य है। दिल्ली के स्कूलों में इसी सप्ताह देशभक्ति बढ़ाने संबंधी पाठ्यक्रम की शुरूआत कर दी गई है। केवल प्राथमिक कक्षा ही नहीं, बल्कि नर्सरी कक्षा से 12वीं कक्षा तक देशभक्ति का पाठ पढ़ाया जाएगा। इस पाठ के तहत बच्चों, किशोरों को देश के प्रति जिम्मेदारी का एहसास कराया जाएगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने देशभक्ति पाठ्यक्रम शुरू करते हुए कहा है कि ऐसा माहौल बनाने की जरूरत है, जहां लोग 24 घंटे देशभक्ति का अनुभव करें। अक्सर देखा गया है कि लोग देशभक्ति गीत सुनते समय और देशभक्ति की फिल्म देखते हुए अभिभूत होते हैं। बाकी समय उनका व्यवहार देश के प्रति उदासीन ही रहता है। ऐसे बहुत कम लोग होते हैं, जो यह सोचते हैं कि उनके किसी कार्य से देश को नुकसान तो नहीं होगा। उत्साह से भरे केजरीवाल ने यहां तक कहा है कि देशभक्ति पाठ्यक्रम भारत की प्रगति यात्रा में मील का पत्थर साबित होगा। दिल्ली में शुरू हुआ यह ताजा पाठ्यक्रम अगर देशभक्तों की संख्या बढ़ा सका, तो यह समाज में किसी क्रांति से कम नहीं होगा। ऐसे नागरिक चाहिए, जो देश को सबसे पहले या सबसे आगे रखकर चलें। जो कुछ भी करने से पहले यह जरूर सोचें कि इससे उनका देश कमजोर होगा या मजबूत। हालांकि, यह उम्मीद करना अतिरेक ही होगा कि देश में किसी ऐसी पीढ़ी का पदार्पण होगा, जो पैसे या धन को तरजीह नहीं देगी। आज के समय में पैसे को तरजीह देना जरूरी है, लेकिन नैतिकता का स्तर ऐसा होना चाहिए कि जब प्रश्न देश का आए, तब उससे किसी तरह का समझौता न किया जाए। वाकई देश को देशभक्त डॉक्टर, इंजीनियर, वकील और अन्य पेशेवरों की जरूरत है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत है देशभक्त नेता। अगर शासन और प्रशासन में बैठे लोग ईमानदार हो जाएं, अगर वे अपनी शपथ हमेशा याद रखें, संविधान के मूल मकसद को याद रखें, तो फिर इससे अच्छी बात क्या हो सकती है? जब नेता और अधिकारी संविधान के नाम पर ली गई शपथ भूल जाते हैं, तभी भ्रष्ट होते हैं। भ्रष्ट होना भी देशद्रोह ही है। देशभक्ति पढ़ाने से निश्चय ही लाभ होगा, पर बड़े लोगों को अपने व्यवहार से देशभक्ति का प्रमाण भी देते रहना होगा। ध्यान रहे, बच्चे पढ़कर कम और देखकर ज्यादा सीखते हैं। बहरहाल, देश के दूसरे राज्यों की सरकारों को भी इस देशभक्ति पाठ्यक्रम पर निगाह डालकर सीखने की जरूरत है। यह पाठ्यक्रम 100 स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियों के साथ शुरू हो रहा है। दिल्ली में जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होगा, वह लगभग 700-800 ऐसे सेनानियों के बारे में जान पाएगा। सेनानियों के बारे में पहले भी काफी कुछ पढ़ाया-बताया जाता रहा है, लेकिन अब निर्दिष्ट रूप से पढ़ाने-बताने की कोशिश किसी प्रयोग से कम नहीं है। शिक्षा संस्थाओं और विशेषज्ञों को इस पहल पर ध्यान देना चाहिए। यह शोध का विषय है कि पढ़ाई का कितना प्रत्यक्ष असर चरित्र पर पड़ता है। बहुत अच्छा पढ़े-लिखे लोग भी भ्रष्टाचार में डूबे नजर आते हैं। कहा जाता है कि पढ़े-लिखे लोग ही अक्सर देशद्रोह के काम में दिखते हैं। अतः विशेष रूप से शिक्षकों की जिम्मेदारी बहुत बढ़ गई है। बच्चों को देशभक्ति के लिए हम तभी ज्यादा प्रेरित कर पाएंगे, जब हमारी कथनी-करनी का भेद मिटेगा।

डिजिटल हेल्थ मिशन से क्या हासिल?

फ्रांस की एक महारानी मैरी एंटोनेट के बारे कहा जाता है कि फ्रांस में चल रहे आंदोलन को लेकर उसने एक बार अपनी दासी से पूछा था कि लोग क्यों नाराज हैं? इस पर दासी ने कहा था कि लोग भूखे हैं और उन्हें खाने को रोटी नहीं मिल रही है। इस पर महारानी ने कथित तौर पर कहा था- रोटी नहीं है तो लोग केक क्यों नहीं खाते! महारानी ने तो यह बात अपने भोलेपन या अज्ञान में कही थी पर भारत सरकार जानते-बूझते कुछ इसी तरह का मजाक देश के लोगों से कर रही है। दर्जनों किस्म के पहचान पत्र बनवाने के बाद सरकार अब एक नया पहचान पत्र बनवा रही है, जिसका नाम है- यूनिक हेल्थ कार्ड! प्रधानमंत्री ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की शुरूआत की है, जिसके तहत हर नागरिक का एक यूनिक हेल्थ कार्ड होगा और उसकी एक यूनिक हेल्थ आईडी होगी। इस योजना की तारीफ में वैसे तो बहुत सी बातें कही जा रही हैं, लेकिन असलियत यह है कि सरकार अस्पताल, डॉक्टर, नर्स, लैब्स, दवाएं आदि उपलब्ध नहीं करा पा रही है तो उसने डिजिटल कार्ड देने का ऐलान कर दिया है। यह कुछ कुछ वैसे ही है जैसे आपके पास एक डेबिट कार्ड हो, भले आपके खाते में पैसे हों या न हों। जिस तरह खाली खाते के डेबिट कार्ड का कोई मतलब नहीं होता है वैसे ही आम नागरिक के लिए इस यूनिक आईडी कार्ड का भी कोई मतलब नहीं है। भारत दुनिया में सबसे खराब स्वास्थ्य सेवाओं वाले देशों में से एक है। कोरोना वायरस की महामारी में दुनिया ने देखा कि कैसे अस्पताल और बेड्स की कमी से लोग सड़कों पर मरे और जिनको किसी तरह बेड्स मिल गए उनमें से अनेक लोग ऑक्सीजन की कमी से तड़प-तड़प कर मरे। टेस्ट के लिए लोगों को कई गुना ज्यादा कीमत चुकानी पड़ी और दवाओं की अभूतपूर्व

कालाबाजारी हुई। इस आपदा के बावजूद सरकार अस्पताल या मेडिकल कॉलेज नहीं बनवा रही है और न टेस्ट लैब्स बनवाए जा रहे हैं, न दवा की फैक्टरी लग रही है और न दवा या बीमारी पर रिसर्च का खर्च बढ़ाया जा रहा है, बल्कि लोगों को हेल्थ कार्ड का झुनझुना थमाया जा रहा है। हकीकत यह है कि भारत में 1,404 लोगों पर एक डॉक्टर है और विडंबना यह है कि देश के 52 फीसदी एलोपैथिक डॉक्टर पांच राज्यों- महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश में प्रैक्टिस करते हैं। यानी देश के आधे से ज्यादा डॉक्टर 50 करोड़ की आबादी के लिए हैं और बाकी करीब 90 करोड़ की आबादी के लिए 48 फीसदी डॉक्टर हैं। इस लिहाज से देश के कम विकसित और पिछड़े राज्यों में तीन हजार लोगों पर एक डॉक्टर का औसत बनता है। इससे भी बुरी स्थिति अस्पताल के बेड्स की है। ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट 2020 के मुताबिक भारत में 10 हजार की आबादी पर अस्पताल के सिर्फ पांच बेड्स उपलब्ध हैं। प्रति व्यक्ति बेड्स की उपलब्धता के लिहाज से भारत 167 देशों की सूची में 155वें स्थान पर है। स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत बताने वाले इन आंकड़ों को थोड़ा और बारीकी से देखेंगे तो तस्वीर और भयावह दिखेगी। दुनिया की सबसे बड़ी गरीब आबादी और सबसे खराब स्वास्थ्य सेवा वाला देश होने के बावजूद भारत में सबसे ज्यादा निजी स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध है। लोग स्वास्थ्य सेवा हासिल करने के लिए अपनी जेब से जो पैसे खर्च करते हैं उसमें से 75 फीसदी रकम निजी स्वास्थ्य क्षेत्र को जाती है। भारत में सिर्फ 20 फीसदी स्वास्थ्य सेवाएं सरकारी खर्च से संचालित हैं। अब सोचें, ऐसी स्थिति में यूनिक हेल्थ कार्ड होने भर से कैसे किसी को स्वास्थ्य सेवा हासिल होगी? जब 10 हजार लोगों पर पांच बेड्स उपलब्ध हैं तो कैसा भी डिजिटल कार्ड उन बेड्स पर किसी को जगह कैसे दिला सकता है? जब हजारों लोगों के ऊपर एक डॉक्टर उपलब्ध है तो कैसे यूनिक हेल्थ कार्ड के जरिए डॉक्टर की कंसल्टेंसी हासिल हो जाएगी? सरकार कह रही है कि इसके जरिए मरीज, डॉक्टर, अस्पताल, लैब्स, दवा दुकान आदि के बीच संपर्क और समन्वय आसान हो जाएगा। लेकिन जब आबादी के अनुपात में अस्पताल, डॉक्टर, लैब्स की संख्या बहुत कम है तो इस डिजिटल संपर्क का लोग क्या करेंगे? वैसे भी दुनिया के किसी भी देश में ई-हेल्थ सिस्टम सफल नहीं हुआ है। ब्रिटेन ने सबसे पहले इसकी शुरूआत की थी। उसने मरीजों का हेल्थ रिकार्ड बनाने और देश के हर डॉक्टर द्वारा उसे ऑनलाइन एक्सेस करने की सुविधा शुरू की थी। लेकिन इस पर न तो डॉक्टरों का भरोसा बना और न मरीजों का। नतीजा यह हुआ कि 2011 में इस कार्यक्रम को बंद करना पड़ा। इसे दुनिया के आईटी इतिहास का सबसे महंगा असफल प्रयोग माना जाता है। अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने भी डिजिटल हेल्थ अभियान शुरू किया लेकिन वहां भी अभी यह प्रयोग की स्थिति में है और मरीजों के हेल्थ रिकार्ड की गोपनीयता को लेकर चिंता की वजह से इसे बड़े पैमाने पर नहीं लागू किया जा रहा है।

भारत जी-हुजूरों का लोकतंत्र?

नवजोतसिंह सिद्धू का मामला अभी अधर में ही लटका हुआ है और इधर कल-कल में कुछ ऐसी घटनाएं और भी हो गई हैं, जो कांग्रेस पार्टी की मुसीबतों को तूल दे रही हैं। पहली बात तो यह कि पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदरसिंह दिल्ली जाकर गृहमंत्री अमित शाह से मिले। क्यों मिले? बताया गया कि किसान आंदोलन के बारे में उन्होंने बात की। की होगी लेकिन किस हैसियत में की होगी? अब वे न मुख्यमंत्री हैं, न कांग्रेस अध्यक्ष! तो बात यह हुई होगी कि अमरिंदर का अगला कदम क्या होगा? वे भाजपा में प्रवेश करेंगे या अपनी नई पार्टी बनाएंगे या घर बैठे कांग्रेस की जड़ खोदेंगे? उधर गोवा के शीर्ष कांग्रेसी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ल्युजिनो फलीरो ने कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस का हाथ थाम लिया है। गोवा में कांग्रेस की दाल पहले से ही काफी पतली हो रही है और अब नौ अन्य कांग्रेसी नेताओं के साथ फलीरो का तृणमूल में जाना गोवा की कांग्रेस के चार विधायकों की संख्या को घटाकर आधी न कर दे? यह ठीक है कि कन्हैया कुमार और जिग्नेश मेवानी ने कांग्रेस से जुड़ने की घोषणा कर दी है। ये दोनों युवा नेता दलितों और वंचितों को कांग्रेस से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं लेकिन असली सवाल यह है कि क्या वे कांग्रेस में रहकर वैसा कर

पाएंगे? इस समय कांग्रेस में माँ-बेटा और बहन के अलावा जितने भी नेता हैं, क्या उनकी स्थिति देश के दलितों से बेहतर है? दलितों के कुछ संवैधानिक अधिकार तो हैं और उन पर अन्याय हो तो वे अदालत की शरण में जा सकते हैं लेकिन कांग्रेसी जब दले जाते हैं तो वे किसकी शरण में जाएँ? जी-23 के नेता कपिल सिब्बल चाहे दावा करें कि उनके 23 पत्रलेखक कांग्रेसी नेता जी-23 तो हैं लेकिन वे जी-हुजूर-23 नहीं हैं, लेकिन उनके इस दावे पर मुझे एक शेर याद आ रहा है- इश्के-बुतां में जिंदगी गुजर गई मोमिन। आखरी वक्त क्या खाक मुसलमां होंगे? इंदिरा कांग्रेस में वहीं नेता अभी तक टिक सके हैं और आगे बढ़ सके हैं, जो चापलूसी के महापंडित हैं। शरद पवार और ममता बनर्जी जैसे कितने नेता हैं? इंदिराजी ने नई कांग्रेस का जो बीज बोया था, वह वटवृक्ष बन गया था। इस वटवृक्ष में अब घुन लग गया है। दो साल हो गए, पार्टी का कोई बाकायदा अध्यक्ष नहीं है और पार्टी चल रही है, जैसे युद्ध में बिना सर के धड़ चला करते हैं। पता नहीं, यह धड़ अब कितने कदम और चलेगा? राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस के इस शरीर के लड़खड़ाने की खबर आती रहती है। कभी-कभी ऐसा लगता है कि हमारी आज की कांग्रेस मुगल बादशाह मुहम्मदशाह रंगीले की तरह अपनी आखरी सांसें गिन रही है। देश के लोकतंत्र के लिए इससे बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण बात क्या हो सकती है? यदि कांग्रेस बेजान हो गई तो भाजपा को कांग्रेस बनने से कौन रोक सकता है? तब पूरा भारत ही जी-हुजरों का लोकतंत्र बन जाएगा। इस वक्त भाजपा और कांग्रेस का अंदरुनी हाल एक-जैसा होता जा रहा है लेकिन आम जनता में अब भी भाजपा की साख कायम है। याने अंदरुनी लोकतंत्र सभी पार्टियों में शून्य को छू रहा है लेकिन यही प्रवृत्ति बाहरी लोकतंत्र पर भी हावी हो गई तो हमारी पार्टियों की इस नेताशाही को तानाशाही में बदलते देर नहीं लगेगी। यदि हम संयुक्तराष्ट्र संघ में जाकर भारत को 'लोकतंत्र की अम्मा' घोषित कर रहे हैं तो हमें अपनी इस अम्मा के जीवन और सम्मान की रक्षा के लिए सदा सावधान रहना होगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिटी हलचल

मुंबई, शुक्रवार
1 अक्टूबर, 2021

नशेड़ी जावेद की गुंडागर्दी से परेशान हैं अमृत नगर शादी महल परिसर के सामरा अपार्टमेंट के निवासी

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। अमृत नगर परिसर शादी महल हॉल जाने वाले रास्ते में आने वाली इमारत सामरा अपार्टमेंट के रहिवासियों को जावेद नामक नशेड़ी की गुंडागर्दी से सामरा अपार्टमेंट रहवासियों बुरी तरह से परेशान है इस इमारत के रहवासियों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार नशेड़ी जावेद अपने गुंडागर्दी के चलते इस इमारत के रहिवासियों का जीना दूभर कर दिया है उनका कहना है यह व्यक्ति रात के एक बजे तक जोर-जोर से डेक बजाता है उसके चलते हम लोगों की रातो की नींद हराम हो जाती है और अगर कोई बोलने के लिए जाए तो उसको वह चाकू लेकर मारने के लिए खड़ा हो जाता है और यह व्यक्ति 24 घंटे अपने घर के बाहर बैठकर गांजे का नशे करता है जिसके चलते गांजे का धुआ और उसकी दुर्गंध हम लोगों को बहुत परेशान करती है हम लोगों ने कई मर्तबा इस व्यक्ति से कहा कि जो भी नशा करना है अपने घर में बैठकर करो फिर भी यह हम लोगों की एक नहीं सुनता है और हम लोगों के साथ गाली गलौज करता है और मारने की धमकी देता है यह नशेड़ी ने हम इमारत में रहने वालों का जीना हराम कर दिया है यह व्यक्ति ना बिल्डिंग का मेंटेनेंस देता है और न इमारत की रिपेयरिंग

का पैसा देता है गुंडागर्दी से हम इमारत के रहिवासियों को डरा धमका के रखता है और अपनी मनमानी इस इमारत में करता रहता है और हम महिलाओं को मुंह पर एसिड मारने की धमकी वह आए दिन देता रहता है हम लोगों को यह व्यक्ति से जान का डर भी हो गया है और यह नशेड़ी हमारे घरों से मोबाइल चुराता है इमारत की बल्ब ट्यूबलाइट चुराता है और यह सब धांधली इसी व्यक्ति का काम है हमने कई बार इस नशेड़ी की शिकायत मुंब्रा पुलिस स्टेशन मैं दर्ज कराई है लेकिन पुलिस इस नशेड़ी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करती है इसके चलते इसकी दबंगई और बढ़ गई है गौरतलब बात यह है इस इमारत में रहने वाली महिलाओं ने कई बार इसकी नशेड़ी की शिकायत मुंब्रा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है फिर भी पुलिस इस नशेड़ी के खिलाफ कार्रवाई करने में टालमटोल क्यों कर रही है यह बात समझ से परे है तो हम मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मधुकर कड से निवेदन करते हैं कि आप इन इमारतों के रहवासियों द्वारा की गई शिकायतों का संज्ञान ले नशेड़ी जावेद के खिलाफ उचित कार्रवाई करें ताकि इस इमारत के रहवासियों सुकून से अपना जीवन व्यतीत कर सकें यह आपसे निवेदन है।

मुंबईः 29 मेडिकल स्टूडेंट कोरोना पॉजिटिव, दो अस्पताल में भर्ती

संवाददाता

मुंबई। मुंबई में कोरोना अभी भी लोगों को अपना शिकार बना रहा है। ताजा मामला मुंबई के केईएम और सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले 29 छात्रों से जुड़ा है। सभी 29 छात्र मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं। इन सभी को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। 29 में से 23 विद्यार्थी सेकंड ईयर एमबीबीएस के छात्र हैं, जबकि 6 विद्यार्थी

फर्स्ट ईयर एमबीबीएस के छात्र हैं। कोरोना पॉजिटिव पाए गए 29 विद्यार्थियों में से 27 लोगों ने कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज लगवाई थी। फिलहाल दो छात्रों को इलाज के लिए मुंबई के सेवन हिल्स हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है जबकि अन्य लोगों को क्वारंटीन किया गया है। फिलहाल यह जांच की जा रही है आखिर यह सभी लोग कोरोना की चपेट में कैसे आए?

राज्य में 49 लोगों की मौतः राज्य में बीते 24 घंटों के अंदर 49 कोरोना मरीजों ने दम तोड़ दिया है। हमारी से अब तक एक लाख 39 हजार 11 लोगों को अपनी जान गवानी पड़ी है। वहीं 63,68,530 मरीज कोरोना को हराने में सफल रहे हैं। दिन भर में 3 हजार 253 मरीज ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं। राज्य में कोरोना महामारी से ठीक होने वाले मरीजों का प्रतिशत 97.26 है।

कुछ दिन पहले बच्चे भी पॉजिटिव हुए थेः इसके पहले मुंबई के ग्रांटरोड इलाके के एक अनाथालय में रहने वाले कई बच्चे भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। मुंबई शहर में अभी भी कुछ वार्ड ऐसे हैं जहां कोरोना महामारी का खतरा बरकरार है। यह सभी वार्ड कोरोना हॉटस्पॉट बने हुए हैं।

मास्क को भूलने लगे हैं लोग, त्योहारों में बरती लापरवाही, पुलिस ने वसूल किया ढाई करोड़ रुपये का जुर्माना

संवाददाता

मुंबई। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए मास्क लगाने के नियम का मुंबईकरों ने त्योहारों के सीजन में धड़ल्ले से उल्लंघन किया है। लोग बिना मास्क पहने घरों से बाहर निकले और कोरोना गाइडलाइंस का पालन नहीं किया। इसीलिए मुंबई पुलिस के 'नो मास्क' अभियान के तहत इस दौरान करीब ढाई करोड़ रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। बिना मास्क के पकड़े जाने पर 200 रुपये का जुर्माना वसूल जाता है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, त्योहारी सीजन

से पहले करीब 9 करोड़ रुपये वसूल किए गए थे। अब यह आंकड़ा बढ़कर 11.58 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। अब तक 5.79 लाख से अधिक लोगों पर कार्रवाई की गई हैं। सबसे अधिक जुर्माना जोन 4 में वसूल किया गया है जिसमें माटुंगा और किंग सर्कल जैसे इलाके आते हैं। पुलिस प्रवक्ता डीसीपी चैतन्य एस ने बताया, कोरोना संक्रमण और त्योहारी सीजन के मद्देनजर जमीनी स्तर पर और सीसीटीवी कैमरों की मदद से भी भीड़भाड़ वाले स्थानों की निगरानी की जा रही थी। वहां बिना मास्क के दिखाई देने पर दोषियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की।

राजनीतिक दल सबसे ज्यादा लापरवाहः नाम नहीं लिखने की शर्त पर एक आईपीएस अधिकारी ने बताया, मास्क न पहनने की लापरवाही विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने सबसे ज्यादा बरती है। गणपति उत्सव से लेकर छोटे-छोटे धरना प्रदर्शन और अन्य राजनीतिक गतिविधियों को बिना मास्क के इन्हीं लोगों ने अंजाम दिया है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

एनआईए को संदेह

उस दौरान यह बातें सामने आई थी कि सचिन वझे परमबीर को सीधे रिपोर्ट करते थे और उनके कहने पर ही एंटीलिया मामले की जांच वझे को सौंपी गई थी। इस मामले में संदिग्ध भूमिका मिलने के बाद राज्य सरकार ने परमबीर सिंह का तबादला होमगार्ड डीजी के पद पर कर दिया था। हालांकि, इस ट्रांसफर के बाद परमबीर सिंह ने तत्कालीन गृहमंत्री अनिल देशमुख पर 100 करोड़ की वसूली का आरोप लगाकर कई बड़े खुलासे किए थे। जिसके बाद अनिल देशमुख को अपने पद से इस्तीफा भी देना पड़ा था और परमबीर के आरोपों की जांच के लिए राज्य सरकार को एसआईटी गठित करनी पड़ी थी। एनआईए की टीम छत्तीसगढ़, रोहतक सहित और कुछ जगहों पर गई, पर कहीं भी सिंह नहीं मिले। सूत्रों के मुताबिक, एजेंसी को शक है की परमबीर देश छोड़कर कहीं बाहर चले गए हैं और यूरोपियन देश में छिपे हुए हैं। हालांकि, इसका सबूत अभी तक किसी एजेंसी को नहीं मिला है। एनआईए की चार्जशीट पर एक साइबर एक्सपर्ट ने अपने जवाब दाखिल करने के दौरान बताया कि एंटीलिया के पास से जो जिलिटिन स्टिक्स स्कोर्पियो में मिली थी, उसके बाद एक टेलीग्राम चैनल पर धमकी आइ थी, जिसपर जैश उल हिंद लिखा था। ये कहां से आया था, इसकी रिपोर्ट को मॉडिफाय करने के लिए परमबीर सिंह ने उसे 5 लाख रुपए दिए थे। एएनआई ने एपल से इस आईडी के बारे में पूछा तो पता चला कि इसका फस्ट नेम कुरकुरे और लास्ट नेम बालाजी था। वहीं जब एनआईए ने वझे के करीबी का बयान दर्ज किया तो उसने बताया की परमबीर को आइफोन लेना था और तब उन्होंने आइफोन में फेसटाइम का फस्ट नेम कुरकुरे और लास्ट नेम बालाजी रखा था। इसके अलावा एनआईए को एक और फेसटाइम आईडी की जानकारी का इंतजार है, जिसका इस्तेमाल इसी तरह के सीक्रेट कम्यूनिकेशन के लिए किया गया था।

अंधेरी थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गैर जिम्मेदाराना व्यवहार के चलते निलंबित

निलंबन अन्य सभी थाना प्रभारियों के लिए चेतावनी है कि इससे पहले कि कुछ बुरा हो, सलाखों पर नजर रखें। जुलाई में, ठाणे के दो वरिष्ठ निरीक्षकों को निलंबित कर दिया गया था और दो सहायक आयुक्तों को तब हटा दिया गया था जब एक मराठी टीवी समाचार चैनल ने एक स्टिंग ऑपरेशन शो प्रसारित किया था, जहां बार महामारी के दौरान चालू थे। नौपाड़ा और वर्तक नगर क्षेत्र। राज्य के गृह मंत्री दिलीप वालसे पाटिल ने तब चेतावनी दी थी, अगर डांस बार चालू पाए जाते हैं, तो पुलिस अधिकारियों को दंडित किया जाएगा।

महाराष्ट्र में हिली धरती

क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल कोर को लिथोस्फेयर कहते हैं। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत कई वर्गों में बंटी हुई है जिसे टैकटोनिक प्लेट्स कहते हैं। ये टैकटोनिक प्लेट्स अपनी जगह पर कंपन करती रहती हैं और जब इस प्लेट में बहुत ज्यादा कंपन हो जाती हैं, तो भूकंप महसूस होता है। भूकंप का केंद्र वह स्थान होता है जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से धरती हिलने लगती है। इस स्थान पर या इसके आसपास के क्षेत्रों में भूकंप का असर ज्यादा होता है। अगर रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है।

महबूब स्टूडियो के बाहर लगेगा दादासाहेब फाल्के का स्टेच्यू

मुंबई। भारतीय सिनेमा के जनक श्री दादा साहेब फाल्के जी की 15 फुट की विशाल प्रतिमा मुम्बई के बांद्रा पश्चिम स्थित महबूब स्टूडियो के बाहर लगाई जाएगी इसके लिए पहल किया है दादासाहेब फालके आईकॉन अवॉर्ड फिल्म्स ऑगिर्नाइजेशन ने। इस कार्य के लिए देश के केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला, उत्तर मुंबई के सांसद गोपाल शेट्टी और एफडब्लूआइसीई के प्रेसिडेंट बीएन तिवारी तथा ट्रेजरार गगेश्वर लाल श्रीवास्तव आदि भी सामने आए हैं जिसके परिणाम स्वरूप दादा साहेब फाल्के की विशाल प्रतिमा मेहबूब स्टूडियो के बाहर पहली बार देखने को मिलेगी। यह जानकारी बुधवार को एफडब्लूआइसीई के कार्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता में सांसद गोपाल शेट्टी, एफडब्लूआइसीई के प्रेसिडेंट बीएन तिवारी, ट्रेजरार गगेश्वर लाल श्रीवास्तव, दादासाहेब फालके आईकॉन अवॉर्ड फिल्म्स ऑगिर्नाइजेशन के फाउंडर एंड चेयरमैन कल्याणजी जाना,ग्लोबल फाउंडर अंकिता जाना ने पत्रकारों को दी। यह ऑगिर्नाइजेशन पिछले 2 साल से फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाले तमाम टेक्नीशियन, कलाकारों और काफी लोगों की मदद करती आरही है। इसके अलावा ऑर्गनाइजेशन द्वारा अंधेरी पश्चिम स्थित आदर्श नगर सिंगल के पास इस साल 6 जनवरी से हर रोज 12:00 बजे का भंडारा शुरू किया गया है जिसमें तमाम स्ट्रगल कलाकार जो इस मुंबई शहर में आते हैं उनको खाना खिलाया जाता है। यह संस्था हर साल अवॉर्ड शो भी करती आरही है जिसके जरिए इस इंडस्ट्री में जिस भी कलाकार एवं टेक्नीशियन ने अच्छा काम किया है उनको सम्मानित किया जाता है। बुधवार को एफडब्लूआइसीई के कार्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता में संस्था के फाउंडर एंड चेयरमैन कल्याणजी जाना ग्लोबल फाउंडर अंकिता जाना एवं ऑर्गनाइजेशन के नेशनल प्रेसिडेंट भैरू जैन, नेशनल डायरेक्टर पंढरी शेट्टी, नेशनल लीगल एडवाइजर एडवोकेट शैलेश दुबे, ब्रांड एंबेसडर डॉ अजय सहाय,कमेटी मेंबर अरविंद धामेचा एवं पीयूष सक्सेना भी उपस्थित थे। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज (एफडब्लूआइसीई) के प्रेसिडेंट बीएन तिवारी जिन्होंने हर वक्त इस आगेर्नाइजेशन को सपोर्ट किया इसलिए उनको यह संस्था दिल से धन्यवाद देती है ऐसा भी श्री कल्याण जी जाना ने कहा।

अब घरेलू आईटी कंपनियों के लिए वर्ष 2000 जैसी स्थिति : चंद्रशेखर

संवाददाता / नई दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि कोविड महामारी के बाद की देश की आईटी कंपनियों के लिये 'वाई2के' (वर्ष 2000) की स्थिति पैदा कर रही है।

- कहा, कौशल विकास के क्षेत्र में कुछ और पूंजी निवेश की जरूरत

उन्होंने यह भी कहा कि उद्योग को कौशल से जुड़ी चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की जरूरत है ताकि उपलब्ध व्यापक अवसरों का उपयोग सुनिश्चित हो सके। मंत्री ने यह भी जिक्र किया देश में कैसे वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मदद की और भारत को अपने मंचों तथा समाधानों के जरिये महत्वपूर्ण स्थिति में पहुंचाया है।

वैश्विक फिनटेक महोत्सव में कौशल विकास पर बोले आईटी मंत्री

सबसे बड़े आईटी गंतव्यों में भारत

वाईटूके के बाद भारत प्रतिस्पर्धी मूल्य और बेहतर प्रतिभा के साथ विश्वस्तर पर उद्यमों के लिए सबसे बड़े आईटी गंतव्यों में से एक बन गया। चंद्रशेखर ने कहा कि कौशल और प्रतिभा निर्माण की दिशा में दृष्टिकोण बदलते परिदृश्य और उद्योग के हिसाब से होना चाहिए। सरकार ने देशभर में प्रशिक्षण केंद्रों का एक नेटवर्क बनाकर इस दिशा में कदम उठाया है।

वित्तीय क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव आया : वित्तीय प्रौद्योगिकी का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि इससे वित्तीय क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव आया है और यह वित्तीय अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बन गया है। इससे उद्यमिता, नवप्रवर्तन और रोजगार के अवसर बढ़े हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस क्षेत्र में घरेलू और विदेशी निवेश बड़े स्तर पर हो रहे हैं।

उद्योग को अवसरों का उपयोग करने की जरूरत

मंत्री ने कहा, '-मुझे लगता है कि उद्योग और उद्योग संगठनों को इस दिशा में कदम बढ़ाना होगा। खासकर कोविड के बाद इस संदर्भ में बहुत कुछ करने की जरूरत है। हम प्रशिक्षण और कौशल विकास को लेकर 100 प्रतिशत प्रतिबद्ध हैं-उद्योग को अवसरों का उपयोग करने की जरूरत है और कौशल विकास को बड़ी चुनौती के रूप में देखते हुए उन्हें इस दिशा में बड़ी भूमिका निभानी है।

डिजिटलीकरण में आई तेजी : वैश्विक फिनटेक महोत्सव (जीएफएफ) 2021 में चंद्रशेखर ने कहा कि आईटी उद्योग को कौशल विकास के क्षेत्र में कुछ और पूंजी निवेश की जरूरत है। उन्होंने कहा, दुनिया ने नाटकीय रूप से डिजिटलीकरण की तीव्र गति को बदल दिया है, इसमें तेजी आई है।

दूसरा इस अवसर का लाभ न ले जाए : इसलिए डिजिटलीकरण और प्रतिभा की मांग भी बढ़ी है-हमें यह देखना चाहिए कि हम कोविड के बाद की स्थिति में हैं और यह भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिये वाईटूके जैसा क्षण है। मंत्री ने कहा, 'हम वृद्धि के अवसरों के मामले में एक अभूतपूर्व मोड़ पर हैं। अगर हम जल्दी से कदम नहीं उठाते हैं, तो कोई और इसका लाभ उठा ले जाएगा।'

महाराष्ट्र एटीएस की बड़ी कार्रवाई

एक और संदिग्ध को मुंबई से किया गया गिरफ्तार

बम धमाके से देश को दहलाने की साजिश में शामिल होने का संदेह

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने आतंकी हमले की साजिश रचने के आरोप में एक और संदिग्ध को मुंबई से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार हुए शख्स की पहचान मोहम्मद इरफान रहमत अली शेख है। शेख इसी मामले में पहले से गिरफ्तार जाकिर हुसैन शेख का साथी है। जाकिर को भी महाराष्ट्र एटीएस ने गिरफ्तार किया था। आज गिरफ्तार हुए इस संदिग्ध आतंकी के तार भी उसी आतंकी माड्यूल से जुड़े हैं, जिसके छह आतंकियों को 15 सितंबर को गिरफ्तार करके दिल्ली पुलिस ने बड़ी साजिश का भंडाफोड़ किया था। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने एक संदिग्ध के मुंब्रा आवास से टूटा हुआ मोबाइल फोन और कुछ संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए थे। एक अधिकारी ने बताया कि एटीएस ने रविवार को ठाणे जिले के मुंब्रा में रिजवान इब्राहिम मोमिन (40) के आवास के पास नाले से तीन टुकड़ों में टूटा हुआ मोबाइल फोन और कुछ संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए। इस महीने की शुरूआत में गैर कानूनी गतिविधि अधिनियम (यूएपीए) की धारा-18 के तहत दर्ज मामले में महाराष्ट्र से एटीएस द्वारा की गई यह तीसरी गिरफ्तारी है।

एटीएस को संदिग्ध के पास से बरामद हुए कुछ दस्तावेज

एटीएस की ओर से बताया गया कि उसके पास से अपराध में संलिप्तता का संकेत करने वाले कुछ दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। उन्होंने बताया कि इरफान का नाम इस महीने की शुरूआत में एटीएस द्वारा हिरासत में लिए गए जाकिर हुसैन शेख और रिजवान मोमिन से हुई पूछताछ के दौरान सामने आया।

मुंबई से पहले हुई इन दोनों की गिरफ्तारी

मामले में गिरफ्तार छह संदिग्धों में एक जान मोहम्मद शेख मुंबई के धारावी का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान एटीएस ने भारत के बाहर रह रहे एंटनी उर्फ अनवर उर्फ अनस और मुंबई के जोगेश्वरी निवासी जाकिर हुसैन शेख के खिलाफ अलग से मामला दर्ज किया। अधिकारी ने बताया कि शेख के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया था और इस महीने की शुरूआत में उसे गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि उससे पूछताछ के दौरान रिजवान मोमिन का नाम सामने आया। इसके बाद एटीएस ने मुंबई के पड़ोसी जिले ठाणे से मोमिन को गिरफ्तार किया।

मनी लॉन्ड्रिंग मामला: महाराष्ट्र के गृह उप सचिव गायकवाड़ ईडी के सामने हुए पेश, बयान किया गया दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख और अन्य के खिलाफ दर्ज धनशोधन मामले में राज्य के गृह विभाग के उपसचिव कैलाश गायकवाड़ गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) के समक्ष पेश हुए। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में गृह विभाग के उपसचिव गायकवाड़ को नोटिस जारी किया था और दफ्तर में पेश होने के लिए कहा था। गायकवाड़ करीब 11 बजे सुबह दक्षिण मुंबई में निदेशालय के कार्यालय पहुंचे जहां जांच एजेंसी के अधिकारी ने उनका बयान दर्ज किया। प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में मंगलवार को राज्य के परिवहन मंत्री अनिल परब से यहां करीब आठ घंटे पूछताछ की थी। प्रवर्तन निदेशालय महाराष्ट्र पुलिस से जुड़े 100 करोड़ रुपए के रिश्वत एवं जबरन वसूली के कथित रैकेट की जांच कर रहा है। इस मामले के कारण देशमुख को इस साल अप्रैल में राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा था। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह ने देशमुख पर कम से कम 100 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने और जबरन वसूली करने के आरोप लगाए थे, जिसके बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने देखमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया था। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने भी (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) राकांपा नेता देशमुख और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। देशमुख ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया था।

केन्द्र सरकार को वित्तीय सहायता प्रदान करते समय राज्यों के बीच भेदभाव नहीं करना चाहिए: अजीत पवार

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि केन्द्र सरकार को वित्तीय सहायता प्रदान करते समय राज्यों के बीच भेदभाव नहीं करना चाहिए। राज्य के राहत एवं पुनर्वास कार्य मंत्री विजय वडेट्टीवार ने बुधवार को दावा किया था कि राज्य ने इस साल विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुई क्षति से निपटने के लिए 7,700 करोड़ रुपये की सहायता राशि मांगी थी, लेकिन केन्द्र सरकार ने सिर्फ 1,100 करोड़ रुपये दिए। उन्होंने कहा कि यह (7,700 करोड़ रुपये) नुकसान की अनुमानित लागत थी, जो चक्रवात, बेमौसम और अत्यधिक भारी बारिश के कारण हुआ था। पवार ने पत्रकारों से कहा, जब प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों की मदद के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने की बात आती है तो केन्द्र सरकार को राज्यों के बीच भेदभाव नहीं करना चाहिए। मंत्रिमंडल के मेरे सहकर्मी विजय ने कहा था कि 8,000 से 9,000 करोड़ रुपये बकाया है। वहीं, कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने बुधवार को केन्द्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर पक्षपात करने और राज्य को जरूरी मदद नहीं करने का आरोप लगाया था, जबकि प्रदेश ने पिछले एक साल में कम से कम तीन प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया है। कोविड-19 के कारण जान गंवाने वालों के परिजन को 50,000 रुपये का भुगतान करने की केंद्र द्वारा उच्चतम न्यायालय को जानकारी देने के सवाल पर पवार ने कहा, एक बार जब केन्द्र सरकार राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीआरएफ) में राशि जमा कर देगी, तो हम निर्देशों के अनुसार भुगतान करेंगे। केन्द्र सरकार ने पिछले सप्ताह, उच्चतम न्यायालय को बताया था कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने सिफारिश की है कि कोविड -19 से जान गंवाने वाले लोगों के परिजन को 50,000 रुपये दिए जाएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलडाणा हलचल

बुलडाणा नगर पालिका की लापरवाही शहर में गंदगी का साम्राज्य, नागरिकों के स्वास्थ्य को खतरे में, स्वाभिमानी की आक्रामक आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। बुलडाना शहर गंदगी के बढ़ते साम्राज्य और बड़ी संख्या में मच्छरों से नागरिक त्रस्त हो रहे है।एक तरफ नगर. पालिका जबरन कर वसूली कर रही है और दूसरी तरफ नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी का मामला गंभीर दिखाई दे रहा। इन मूलभूत सुविधाओं तत्काल उपाय योजना नहीं होने पर स्वाभिमान की ओर से नगर पालिका के खिलाफ उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा। ऐसी चेतावनी स्वाभिमानी विद्यार्थी संगठन के जिलाध्यक्ष पवन देशमुख और अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष शेख रफीक शेख करीम ने दी है। इस संबंध में को न.पा.उपमुख्याधिकारी को निवेदन दिया गया। निवेदन में कहा गया है कि बुलडाना शहर गंदगी का अड्डा बन गया है और नगर परिषद प्रशासन अनदेखी की कर रही है.नगर परिषद प्रशासन घर पट्टी जलापूर्ति और

स्वच्छता के लिए नागरिकों से भारी मात्रा में अनिवार्य कर वसूल कर रहा है। शहर के नागरिकों के स्वास्थ्य की देखभाल करने के बजाए प्रशासन ने इसकी अनदेखी की है। राम नगर, जीजामाता नगर, सरस्वती नगर, जौहर नगर, मिर्जा नगर और इकबाल नगर के नागरिक बड़ी संख्या में अपने कर का भुगतान करते हैं। प्रशासन द्वारा समय-समय पर नालों की सफाई नहीं की जाती और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़े के ढेर ने गंदगी का साम्राज्य दिखाई दे रहा है।आम जनता से यह सवाल पूछ रहे है कि नगर परिषद प्रशासन बरसात के दिनों में नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए उतनी तत्परता क्यों नहीं दिखाता जितना कि कर वसूलने में होता है। बुलडाणा वासियों के कहने का समय आ गया है, 'कर संग्रह तेज है लेकिन नागरिकों का स्वास्थ्य कोमा में है'। इसलिए नगर परिषद प्रशासन को तत्काल सार्वजनिक स्थलों से कूड़ा निस्तारण करना चाहिए, नालों की नियमित सफाई करनी चाहिए और डेंगू जैसी बीमारी फैलाने वाले मच्छरों पर फॉगिंग मशीन का छिड़काव करना चाहिए। यदि उक्त मुद्दों पर नगर परिषद प्रशासन तत्काल कार्रवाई नहीं करता है, तो स्वाभिमानी इस मुद्दे पर आक्रामक आंदोलन शुरू करेगी। इस तरह की चेतावनी दि गई। इस अवसर पर स्वाभिमानी महेंद्र जाधव, दत्तात्रय जेऊघाले, अमोल मोरे, अनंत तुपकर उपस्थित थे।

राजस्थान हलचल

महिला उन्नति संघ के तृतीय वर्षगांठ पर महाराष्ट्र की प्रवक्ता श्रीदेवी पाटील का किया गया सम्मान

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

नई दिल्ली। महिला उन्नति संघ भारत मुख्य कार्यालय नई दिल्ली के २८ सितंबर 2021 को तृतीय वर्ष गांठ का कार्यक्रम समापन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एसीपी रजनी गोयल समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह संगठन के मुख्य संरक्षक वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र बच्चन ग्रेटर नोएडा के प्रेस क्लब के अध्यक्ष धर्मेंद्र चंदेल संरक्षक इंदु गोयल संस्थापक डॉ राहुल वर्मा और महासचिव अनिल भाटी संख्या की अधिकारी हेमंत कुमार उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई इस शुभ अवसर पर दिल्ली एवं नोएडा के अधिकांश सामाजिक संस्थाओं का सम्मान किया गया वैसे समाज में समाज हित में करने वाली महिलाओं का भी सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर महाराष्ट्र की नवनियुक्त महिला उन्नति संघ की प्रवक्ता एवं इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन की महाराष्ट्र की महासचिव तथा पत्रकार वेलफेयर फाउंडेशन नई दिल्ली की महाराष्ट्र प्रदेश महासचिव श्रीदेवी पाटील इनका समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह इनके हाथों सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया इस वक्त इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष संजय कुमार कोटेचा भी उपस्थित थे इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने अपने अपने विचार प्रकट किए जिसमें महिला उत्पीड़न के मामले में तथा महिला सुरक्षा के बारे में जिक्र किया गया आखिर में अनिल जी भाटी जी का सम्मान सभी मंचासीन अतिथियों ने किया यह कार्यक्रम ग्रेटर नोएडा के मंगलमय इंस्टीट्यूट में संपन्न हुआ।

सम्भल हलचल

जनपद को मिलेगी जल्द ही एनआरसी की सौगात, होगा कुपोषित बच्चो का इलाज, सीएफार के सहयोग से आयोजित हुई मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला

संवाददाता/अरमान उलहक

सम्भल। गुरुवार को बहजोई में स्वस्थ संचार सुदृढ़ीकरण हेतु स्वास्थ्य व पोषण को लेकर एक मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार सक्सेना मौजूद रहे उन्होंने स्वास्थ्य पोषण विषय पर चर्चा करते हुए गर्भवती महिलाओं में खून की कमी कुपोषण के बारे में विस्तार से बताते हुए स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा अगर गर्भवती महिला पूर्णतः स्वस्थ होगी तभी वह एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है। गर्भवती महिलाओं को चाहिए कि वह अपनी नजदीकी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा, एएनएम से संपर्क कर अपना पंजीकरण कराएं और अपने खानपान व स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखें तथा समय से टीकाकरण का भी विशेष ध्यान रखें। धर्मेन्द्र मिश्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग संभल ने कहा की गर्भावस्था से ही पोषण की शुरूआत हो जाती है। गर्भावस्था से लेकर शिशु के जन्म के बाद तक के 1000 दिन पोषण की द्रष्टि से महत्वपूर्ण होते है। उन्होंने कहा जन्म के तुरंत बाद स्तनपान, छः माह

तक सिर्फ स्तनपान, और छह माह से लेकर दो साल की उम्र तक स्तनपान के साथ पूरक आहार पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा अगर शिशु को जन्म के एक घंटे के भीतर माँ का पहला गाढ़ा पिला दूध दिया जाये तो बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है तथा बच्चे का शारीरिक, मानसिक एवं बोद्धिक विकास प्रभावित नहीं होता है। उन्होंने कहा विभाग द्वारा प्रत्येक माह आंगनबाड़ी केंद्र पर गोद भराई कार्यक्रम आयोजित कर मातृ पोषण का सन्देश दिया जाता है तथा महिलाओं को सही आहार और सही पोषण के बारे में जागरूक किया जाता है। इसी तरह अन्नप्राशन कार्यक्रम आयोजित कर माताओं को जागरूक किया जाता है की छह माह से दो साल तक के बच्चो को स्तनपान के साथ अर्धठोस पूरक आहार भी दिया जाना चाहिए। ताकि बच्चो का सवार्गीण विकास हो सके। उन्होंने कहा जिले में 0 से 5 वर्ष तक के कुल बच्चो की संख्या 204557 है जिसमे 7809 बच्चे मध्यम तीव्र कुपोषित है जबकि 2355 बच्चे अति तीव्र कुपोषित है जिन्हें वीएचएसएनडी दिवस (ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस) पर चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराया जाता है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए ब्लॉक बलिया खेड़ी की सीडीपीओ रचना यादव ने बताया कि महिला को गर्भ अवस्था में अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ अपने खानपान में पौष्टिक आहार व प्रोटीन पर्याप्त मात्रा में लेना चाहिए जिसका सीधा असर गर्भ में पल रहे शिशु पर पड़ता है। सही पोषण से ही बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलती है सही पोषण ही बीमारियों से बचाव कर सकता है और कुपोषण के दायरे से मुक्ति पाई जा सकती है। वहीं उन्होंने बताया कि गर्भावस्था में गर्भवती महिला को यदि पौष्टिक व संतुलित आहार नहीं मिलता तो गर्भावस्था में शिशु का पर्याप्त रूप से विकास नहीं हो पायेगा ।एक सामान्य महिला को प्रति 900 कैलोरी की आवश्यकता होती है जबकि गर्भावस्था में 3200 कैलोरी की आवश्यकता होती है। गर्भवती महिला को प्रोटीन भी संतुलित मात्रा में मिलना चाहिए।

बिधुत केन्द्र बबराला पर भाकियू ने किया मासिक पंचायत का आयोजन

सम्भल। जनपद सम्भल के बबराला में भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक असली की मासिक पंचायत का आयोजन बबराला विद्युत केंद्र पर किया गया। जिसमें बिजली संबंधित ग्रामीणों की समस्याओं को प्रमुखता के साथ उठाया गया। मौके पर पहुंचकर प्रभारी निरिक्षक गुन्नौर ने उपजिलाधिकारी के नाम ज्ञापन लिया। जल्द ही किसानों की समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया गया। गुरुवार को तयशुदा कार्यक्रम के तहत भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक असली के कार्यकर्ताओं द्वारा मासिक पंचायत का आयोजन बबराला विद्युत केंद्र पर किया गया। जिसमें क्षेत्र के गांव की बिजली संबंधी समस्याओं को प्रमुखता के साथ उठाया गया।

बिहार में फार्म मशीनों की मरम्मत और रखरखाव सेवाओं के बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला आयोजित

समस्तीपुर (जकी अहमद)। कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 30.09.2021 को कृषि यंत्रों की मरम्मती एवं रख-रखाव विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन कृषि यंत्र एवं ऊर्जा विभाग, कृषि अभियंत्रण महाविधालय, पूसा के द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में प्रशिक्षणर्थियों के अलावे बिहार सरकार, और विश्वविधालय के पदाधिकारियों/वैज्ञानिको ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में विश्वविधालय के माननीय कुलपति डॉ० आर० सी० श्रीवास्तव ने अपने अध्यक्षीये संबोधन में कृषि के विकास में कृषि यंत्रों की महत्ता पर विस्तार से प्रकश डालते हुए इस क्षेत्र में रोजगार सृजन के लिये युवाओं के तकनीकी दक्षता को बढाने पर जोर दिया। कुलपति की स्पष्ट राय थी कि यदि ग्रामीण स्तर पर युवाओं को प्रशिक्षित कर तकनिकी मानव बल में बढ़ोतरी किया जाता है तो न सिर्फ कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा मिलेगा बल्कि ग्रामीण स्तर पर रोजगार के अवसरों का सृजन कर युवाओं को राज्य से पलायान से भी रोका जा सकता है। राज्य सरकार के सौजन्य से आयोजित होने वाले फार्म मशीनों की मरम्मत और रख-रखावके प्रशिक्षण के कृषि अभियंत्रण महाविधालय, पूसा में आयोजन पर खुशी व्यक्त करते हुए माननीय

कुलपति ने अधिष्ठाता, कृषि यंत्र एवं ऊर्जा विभाग के विभागाध्यक्ष के साथ साथ इस प्रशिक्षण में भाग लेनें वाले सभी वैज्ञानिको/कर्मचारियों/संविदा कर्मियों की कार्य की सराहना की तथा उनका उत्साहवर्धन किया और यह आशा भी जताई की आने वाले समय में इस तरह के प्रशिक्षण को और भी ससक्त और वस्तुपरक बनाया जायेगा। डॉ० अम्बरीश कुमार, अधिष्ठाता कृषि अभियंत्रण महाविधालय ने कार्यक्रम को विस्तार से रखा और कार्यशाला को कृषि रोजगार से जोड़ा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की भूमिका में भारतीये कृषि अनुसन्धान परिषद के भोपाल अवस्थित केंद्रीय कृषि अभियंत्रण संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ० प्रीतम चन्द्र ने अपने संबोधन में किसानो के खेतों में कृषि उर्जा की उपलब्धता को बढाने पर प्रकाश डालते हुए छोटे एवं मझोले किसानो के लिये उपयुक्त छोटे कृषि यंत्रों के विकास पर बल दिया। डॉ० चंद्रा ने महाविधालय में हो रही प्रशिक्षण कार्य की सराहना की और बधाई भी दिया। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि संयुक्त निदेशक, (कृषि अभियंत्रण) एवं राज्य नोडल अधिकारी, बिहार सरकार डॉ० जे० पी० नारायण ने भारत एवं बिहार सरकार द्वारा प्रदेश में हो रही कृषि योजना के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। श्री अनिल झा उप - निदेशक (कृषि) प्रशिक्षण से होने वाली रोजगार के अवसर के बारे में जानकारी देकर प्रशिक्षनार्थियो का मनोबल बढाया। यह कार्यक्रम का समापन डॉ० एस० के० पटेल, विभागाध्यक्ष, कृषि यंत्र एवं ऊर्जा विभाग के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। इस कार्यशाला में प्रसंस्करण और खाद्य इंजीनियरिंग, विभागाध्यक्ष डॉ० मुकेश श्रीवास्तव एवं मृदा एवं जल विभाग, विभागाध्यक्ष डॉ० आर० सुरेश० वर्मा, ई० क्रांति कुमार, डॉ० पी० के० प्रणव, डॉ० सुभाष चंद्रा, ई० मनोरंजन कुमार, ई० जया सिन्हा एवं अन्य मौजूद थे।

मधुबनी हलचल

अगर राज्य सरकार और मधुबनी प्रशासन विकास के प्रति ईमानदार होती तो यहाँ के छात्रों को भी ओलंपिक खेलने का मौका मिलता: मोबशीर हुसैन

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवाँ के उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्री मुबशीर हुसैन ने मधुबनी, बिहार का दौरा क्या उन्होंने कहा आज भी बिहार के मधुबनी में कुछ बच्चों को खुले में सड़क पर शौच करते देखा बहुत शर्म की बात है कि कुछ पैसे के लोभ की वजह से लोग बिक जाते हैं और गलत हाथो में वोट देकर अपना और अपने परिवार के भविष्य को अंधकार में डाल देते हैं। मधुबनी जिला की बदतर हालत पर निंदा करते हुए उन्होंने कहा के जब स्टेडियम का ये हाल है तो आप समझ सकते हैं और कार्यालय का क्या हाल होगा, श्री हुसैन ने कहा जिस कौम के बच्चे कुरआन हिफ़्ज़ कर लेते हों, उनके लिए ओलंपिक में गोल्ड

मेडल जीतना कोई बड़ी बात नहीं। लिहाजा एक रोटी कम खाओ अपने बच्चों को जरूर पढ़ाओ और खेल की ओर प्रेरित करो, मधुबनी जिला का विकास देख कर बिहार की असल सूरतेहाल पता चल गई है। चारों ओर से पानी से भरा हुआ मधुबनी स्टेडियम सालों से चीख चीख कर कह बिहार सरकार की झूठी विकास की बात बंद करो और मुझे पानी के साथ साथ गंदगी से छुटकारा दिलाओ। अगर विकास को लेकर वाकई बिहार सरकार ईमानदार होती तो मधुबनी का यह स्टेडियम अपनी बेबसी पर आंसू नहीं बहा रहा होता, लोग सड़कों पर शौच नहीं कर रहे होते। सरकार को होश कब आएगा और बिहार के छात्र छात्राएं ओलंपिक कब खेलेंगे। मधुबनी के विकास का मजाक बनाने में मधुबनी जिला प्रशासन भी कम दोषी नहीं है। स्टेडियम और शौच मामले को लेकर श्री हुसैन ने मधुबनी जिलाधिकारी को चिट्ठी देकर अश्वासन की मांग भी की है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ट्रैंड में आया Chrome Nail Art, क्या आपने किया ट्राई?

आपने क्रोम नेल आर्ट के बारे में सुना ही होगा। अगर आपको भी फैशन के साथ चलना और अपडेट रहना पसंद है तो आपको इस क्रोम ट्रैंड के बारे में जरूर पता होना चाहिए। क्रोम नेल्स काफी अट्रैक्टिव लगते हैं, जिनसे आप अपने हाथों की खूबसूरती को और भी निखार सकती हैं। अब क्रोम सिर्फ मेटैलिक सिल्वर तक ही सीमित नहीं रहा है। अब इसमें कॉपर, बीज, गोल्ड और शैंपेन लुक शेड भी आते हैं। सिल्वर और ब्लैक सबसे ज्यादा क्लासिक क्रोम कलर है।

➤होलोग्राफिक कलर

चमक, रंग और स्टाइलिश होने के कारण होलोग्राफिक क्रोम को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। इस तरह के नेल्स पाने के लिए मार्कीट में होलोग्राफिक सैलोफिन और फॉइल जैसे अनेक उपकरण मौजूद है।

➤पिंक क्रोम नेल्स

यह रंग तो लड़कियों का पसंदीदा रंग है। साथ ही यह रंग किसी भी तरह के आऊटफिट के साथ जंच जाता है। अपने रैगुलर पिंक नेल पेंट को क्रोम ग्लिटरी के साथ अपडेट जरूर करें।

➤रोज गोल्ड

रोज गोल्ड क्रोम नेल्स काफी क्लासी लुक देते हैं और इन्हें आप किसी भी मौके पर करवा सकती हैं। इसमें स्टोंस का 3-ऊ इफैक्ट भी बहुत बढ़िया लुक देगा।

➤आंब्रे क्रोम

अगर आप गोल्ड और सिल्वर में से किसी को नहीं चुन पा रही हैं तो आपको आंब्रे ट्राई करना चाहिए गोल्ड के साथ शुरू करके फिर नाखूनों के टॉप पर सिल्वर रंग किया जाता है। किसी भी मौके पर आप यह स्टाइल करवा सकती हैं।

➤कॉपर क्रोम

सभी क्रोम कलर्स में यह रंग सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। कॉपर क्रोम पर बहुत ज्यादा मेहनत लगती है लेकिन बनने के बाद यह बहुत खूबसूरत लगता है। शीशे की तरह चमकता हुआ यह रंग आपके आसपास की हर चीज को फीका कर देगा। आप इसे हर तरह के तथा हर रंग के आऊटफिट के साथ करवा सकती हैं।

➤मेटैलिक कलर विद राइनस्टोंस

अगर ग्लैमर्स दिखने की तमन्ना हो तो आपको मेटैलिक क्रोम कलर विद राइनस्टोंस अपनाना चाहिए। इसमें रैड क्रोम में सिल्वर और सजावट के लिए कुछ राइनस्टोंस का यूज किया जाता है तो नेल्स की खूबसूरती को और ज्यादा बढ़ा देता है।

➤मेटैलिक ब्लू

ब्लू नेल पेंट के बेस पर छोटे समुद्री जीवों के स्टिकर्स चिपकाएं जाते हैं, जो देखने में काफी खूबसूरती और अट्रैक्टिव लगते हैं। आप इसे किसी भी पार्टी या थीम के साथ मैच कर सकती हैं। जब आप नीले रंग की ड्रैस पहनें तो भी इसे ट्राई कर सकती हैं।

➤होलोग्राफिक टिप

अगर आप बिना कोई ज्यादा मेहनत किए क्रोम नेल्स लुक पाना चाहती हैं तो आपको होलोग्राफिक टिप करवाना चाहिए। इस प्रक्रिया में आपके नेल्स को ट्रांसपेरैंट बेस से ढका जाता है और नेल्स के टिप पर 3-ऊ ग्लिटर लगाई जाती है। कम मेहनत में परफैक्ट लुक पाने का सूयह सबसे बढ़िया तरीका है। इसे बनवाते समय अपने हाथों को बिल्कुल सीधा रखें तभी परफैक्ट बन पाएगा।

इन 6 कारणों से झड़ते है आपके बाल, जानिए क्या है इसकी रोकथाम

मौसम कोई भी हो, अक्सर महिलाओं में झड़ते बालों की समस्या पाई जाती हैं। झड़ते हुए बाल सोने के तकिए से लेकर कमरे, बाथरुम हर जगह गिरे हुए मिलते है। रिसर्च की माने तो एक दिन में 80 स्ट्रैंड्स का खोना आम बात है, लेकिन जब यह वापस नहीं बढ़ते है तो यह एक समस्या हो सकती हैं। बाल झड़ने के कई कारण हो सकते है लेकिन महिलाओं में आमतौर पर ये छह कारण पाए जाते है। आईए जानते है क्या है ये 6 कारण और इनकी रोकथाम।

आहार में बदलाव

अगर आप अपने आहार में परिवर्तन कर रहे है या कैलोरी को कम कर रहे है तो बाल झड़ सकते हैं। कई बार आहार में परिवर्तन करने से हमारे भोजन में से पोषण खत्म हो जाता हैं। अधिकतर लोगों को प्रति किलोग्राम 0.8 ग्राम प्रोटीन खाना चाहिए। अक्सर प्रोटीन की कमी के कारण बाल झड़ने लगते हैं।

विटामिन की कमी

अगर बॉडी में विटामिन बी 12 या डी की कमी है तो आपके बाल झड़ सकते है। यह बालों के विकास के साथ स्वस्थ खोपड़ी में भी मदद करते हैं। बी 12 के मांस या डेयरी प्रोडेक्ट और विटामिन के लिए डॉक्टर से बात करके मल्टीविटामिन और डाइट में फ्रूटस शामिल करें।

गर्भनिरोधक गोलियां

अगर आपने अपनी प्रेग्नेंसी रोकने या जो गोली ले रही है उसमें परिवर्तन किया है तो यह आपके बालों के प्रभावित कर सकता हैं। इन गोलियों में प्रोजेस्टेरोन पाया जाता है जो कि बाल झड़ने की समस्या को बढ़ाते हैं। गर्भनिरोधक गोलियों का इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर से जरुर विचार करें।

प्रेगनेंसी

इस अवस्था के दौरान महिलाओं में अक्सर कई तरह के हार्मोनल परिवर्तन पाए जाते हैं। जिसमें बाल भी झड़ने लगते हैं। 3 से 4 महीने बाद यह सामान्य हो जाता हैं।

हेयल स्टाल

कई बार हम अपने बालों के साथ विभिन्न तरह के हेयर स्टाइल बनाते है। लेकिन इसमें पोनी टेल या टाइट पोनी होती है। इससे हमारे बालों की जड़े कमजोर हो कर टूटने लगती हैं। इसलिए कोशिश करें की आप अपने बालों को कोमल तरीके से रखें।

हेयर ट्रीटमेंट

आजकल लेडीज अपने बालों को लेकर की तरह के ट्रीटमेंट और एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती हैं। जिसमें वह अपने बालों के नेचुरल कलर को चेंज कर अलग अलग तरह के कलर करवा लेती हैं। इन कलर को फिका होने से बचाए रखने के लिए विभिन्न तरह के रसायनिक प्रादर्थों का इस्तेमाल किया जाता हैं।

चेहरे के दाग-धब्बों और मुहांसों से छुटकारा दिलाएंगे ये घरेलू नुस्खे

मुंहासे तब होते हैं जब चेहरे पर तेल की ग्रंथियां जम जाती हैं जिसकी वजह से सूजन और लाल घाव हो जाते हैं जो मवाद से भरे होते हैं। इन घांवों पर समय पर ध्यान न दिया जाए तो ये काले दाग-धब्बों का रुप ले लेते हैं। जिसकी वजह से चेहरे की खूबसूरती काफी हद तक कम हो जाती है। तो चलिए आज इन दाग धब्बों से छुटकारा पाने के लिए कुछ आसान से घरेलु टिप्स के बारे में आपको बताएंगे...

➤चंदन पाउडर और नींबू का रस

एक बड़ा चम्मच चंदन पाउडर लें। अगर पाउडर न आपके पास न हो तो चंदन की लकड़ी को पत्थर पर हल्का गीला करके घिस लें। उस पर कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को अपने दाग धब्बों वाली जगह पर लगाएं। आप चाहें तो इस पैक को अपने पूरे चेहरे पर भी लगा सकती हैं। पैक के सूखने पर ताजे पानी से अपना मुंह धो लें। हफ्ते में ऐसा 2 बार करने पर चेहरे के दाग-धब्बे कुछ ही दिनों में दूर होने लग जाएंगे।

➤चंदन पाउडर और गुलाब जल

चंदन पाउडर में एक चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच हल्दी पाउडर मिला लें। हल्दी में एंटी-सेप्टिक गुण होता है। जो चेहरे के दाग-धब्बों को दूर कर चेहरे की रंगत को भी निखारते हैं। गुलाब जल चेहरे को नमी मिलती है साथ ही फेस फ्रेश रहता है। अगर आपका चेहरा ड्राई है तो गुलाब जल की जगह कच्चे दूध का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

➤लौंग का तेल भी करता है दाग-धब्बे दूर

लौंग के तेल में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफलेमेटरी तत्व पाए जाते हैं, जिसकी मदद से आप प्राकृतिक रूप से एक्ने का उपचार कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त लौंग का तेल मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करता है साथ ही स्किन में मौजूद रेडनेस और सूजन को भी दूर करता है।

➤मुहांसों को छुएं नहीं

असल में मुहांसे दाग तब छोड़ते हैं जब हम इन्हें हाथ से फोड़ने की कोशिश करते हैं। पिंपल को पिचकाने या फोड़ने से इंफेक्शन हो जाने के खतरा होता है। दरअसल, छूने या फोड़ने से हाथों और हवा में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया त्वचा के अंदर प्रवेश कर जाते हैं, जहां संख्या बढ़ाकर ये बैक्टीरिया इंफेक्शन पैदा कर सकते हैं। अगर आपको पिंपल वाली जगह पर दर्द या फिर खारिश हो रही हो तो उन पर नारियल का तेल, ऐंटिसेप्टिक क्रीम या तुलसी और नीम के रस को इस पर हल्के हाथों से लगाएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुश्किल में फंसीं आलिया भट्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपने नए टीवी एड की वजह से मुश्किलों में घिर गई हैं। आलिया के इस विज्ञापन में कन्यादान की परंपरा पर सवाल उठाया गया है। इस विज्ञापन के सामने आते ही आलिया पर हिन्दू धर्म की परंपराओं का मजाक उड़ाने का आरोप लगने लगा। वहीं अब इस विज्ञापन को लेकर आलिया भट्ट के खिलाफ मुंबई के सांताक्रूज थाने में शिकायत दर्ज कराई गई हैं। खबरों के अनुसार शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आलिया भट्ट ने हिन्दू भावनाओं को आहत किया है और कन्यादान को प्रतिगामी तरीके से दिखाया है। इस मामले में मान्यवार कंपनी और आलिया भट्ट के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। इस विज्ञापन में आलिया भट्ट को दुल्हन के रूप में दिखाया गया है। वह शादी के मंडप में बैठी हैं और सवाल करती हैं कि मैं क्या कोई दान की चीज हूं? इस विज्ञापन के बारे में आलिया भट्ट ने कहा था, मैं पूरी तरह से इस विचारधारा से इत्तेफाक रखती हूं और ये एक ऐसी चीज है जो मेरे दिल के बहुत करीब है। मैं इस बात से खुश हूं कि मैं इस एड का हिस्सा बन पाई और लोगों तक एक ऐसा संदेश पहुंचा पाई जिससे समाज में एक सकारात्मक बदलाव हो।

नुसरत भरूचा को मिला बड़ा सम्मान

प्यार का पंचनामा, आकाशवाणी, सोनू के टीटू की स्वीटी, ड्रीम गर्ल और छलांग जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं नुसरत भरूचा अपने फैंस के दिलों पर राज करती हैं। नुसरत भरूचा ने 'अजीब दास्तान' में राज मेहता द्वारा निर्देशित 'खिलौना' शॉर्ट फिल्म में अपने अभिनय से बहुत प्रशंसा हासिल की। इस शॉर्ट फिल्म में नुसरत ने मीनल का किरदार निभाया। उस फिल्म के लिए उन्हें एशियाई कंटेंट अवार्ड में बेस्ट एक्ट्रेस के लिए नॉमिनेट किया गया है। एशियन कंटेंट अवाड्र्स 2021 द्वारा मान्यता प्राप्त होना, उनकी उपलब्धियों में शामिल हो चुका है। एसीए एशियाई क्षेत्र में उत्कृष्ट कंटेंट और प्रतिभाशाली कलाकारों को मान्यता देकर अधिक ओरिजिनल प्रोडक्शन और बेहतर क्रिएटिव को प्रोत्साहित करने के लिए बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की प्रतिबद्धता है। इस साल के विजेताओं की घोषणा जल्द की जाएगी। नुसरत ने यह खबर अपने सोशल मीडिया पर शेयर की और लिखा, मैं बहुत खुश हूं की बुसान फिल्म फेस्टिवल ने अपने तीसरे एशिया कंटेंट अवार्ड के लिए नॉमिनेट किया है। मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं अपना नाम अलग अलग देश की टैलेंटेड अभिनेत्रियों के साथ देखते हुए। अजीब दास्तान एक एंथोलॉजी फिल्म है जिसमे चार छोटी फिल्में है। नुसरत राज मेहता की फिल्म 'खिलौना' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ अभिषेक बनर्जी भी नजर आए।

एनबीए के ब्रांड एंबेसडर बने रणवीर सिंह

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह ने अपनी एक्टिंग से जबदस्त फैन फॉलोइंग बनाई है। रणवीर काफी कम समय में सुपरस्टार की लिस्ट में भी शामिल हो चुके हैं। वहीं अब उन्होंने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रणवीर सिंह को राष्ट्रीय बॉस्केटबॉल एसोसिएशन (एनबीए) का भारत के लिए ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। रणवीर सिंह एनबीए की 2021-22 में 75वीं एनिवर्सरी के माध्यम से भारत में इसकी लीग प्रोफाइल को प्रमोट करने में मदद करेंगे। रणवीर का कहना है कि उन्हें बचपन से ही बॉस्केटबॉल और एनबीए से प्यार है। खबरों के अनुसार रणवीर सिंह ने कहा कि मुझे बॉस्केटबॉल और एनबीए बचपन से पसंद है। मैं हमेशा से इसके पॉपुलर कल्चर, म्यूजिक, फैशन, मनोरंजन से प्रभावित रहा हूं। एनबीए के डिप्टी कमिश्नर और सीओओ मार्क टैटम ने कहा, रणवीर सिंह बॉलीवुड आइकन हैं और इस जनरेशन के सबसे सेलिब्रेटेड एक्टर हैं। वे एनबीए के फैन भी हैं जो इसके लीग और खिलाड़ियों को लेकर पैशनेट हैं।